A-627

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-102

ज्योतिष शास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. रोगोत्पत्ति के कारण स्पष्ट करते हुए उसके कालनिर्धारण पर प्रकाश डालिए।

Q.2. आयु के प्रकारों पर विस्तार से चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. जन्माङ्ग चक्र के आधार पर रोगों की समीक्षा कीजिए।

Q.4. मृत्यु के कितने प्रकार हैं? स्पष्ट करते हुए मृत्युकाल निर्धारण पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. रोगज्ञान के ज्योतिष आधार पर निबन्ध प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. अरिष्ट विचार पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

Q.2. रोगविचार की परम्परा पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

Q.3. रोगयोग सूचक प्रमुख ग्रहों पर शास्त्रोक्त पद्धति से विचार प्रस्तुत कीजिए।

Q.4. अरिष्टकाल निर्माण पर प्रकाश डालिए।

Q.5. रोगनिर्धारण में प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए।

Q.6. दिग्देश एंव काल के सापेक्ष रोगपरिज्ञान कैसे किया जा सकता है? समीक्षा कीजिए।

Q.7. दीर्घायुयोगों पर सोदाहरण विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. आयुपरीक्षण के सिद्धान्तों की समालोचना कीजिए।

****